हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

dku live

वर्ष : 01 अंक–237 : जौनपुर, गुरुवार 25 मई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

यूपी की 50 हजार ग्राम पंचायतों में डिजिटल ट्रांजेक्शन को मिलेगा बढ़ावा –सीएम योगी

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की 50 हजार ग्राम पंचायतों में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए समर्थ अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत और महिला सशक्तिकरण के मिशन को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक कार्यक्रम शुरू किए। जीरो बैलेंस पर बैंक में जनधन खाते खोले गए। अकेले यूपी में डीबीटी से 3.50 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन होता है। यूपी में 56 हजार ग्राम पंचायतों में बीसी सखी चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है। अब तक 5.57 करोड़ बार बैंक ट्रांजेक्शन किया गया है। लोगों को बैंक सुविधा देने में बीसी सखी की अहम भूमिका है। बीसी सखी मिनी बैंक के रूप में स्थापित हो गई हैं। ग्राम सचिवालय में बीसी सखी के बैठने की व्यवस्था होगी। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि भ्रष्टाचार पर प्रहार करना है तो डिजिटल ट्रांजैक्शन की ओर जाना पड़ेगा। अब तक यूपी में 54 लाख प्रधानमंत्री आवास दिए गए हैं। कोई मिडिल मैन नहीं है। सीधे पैसा लाभार्थी के खाते में जा रहा है। बहुत से ट्रांजेक्शन में बीसी सखी जुड़ सकती हैं। आंगनबाड़ी का पुष्टाहार महिला स्वयं सहायता समूह से किया जा रहा है। ग्राम पंचायत में ऐसा कार्यक्रम शुरू होना चाहिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 29 राज्यों से बीसी सखी समर्थ में शामिल होने पहुंची हैं। बैंकों को घर–घर ले जा रही हैं महिलाएं केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस किया जा रहा है। घर के कामकाज में व्यस्त रहने वाली महिलाएं अब बीसी सखी के रूप में बैंक को घर घर ले जा रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मोदी के हाथ देश की बागडोर आने के बाद महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम युग आया है। यूपी के 76 लाख ग्रामीण परिवार

महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़े हैं। समूह की महिलाओं को लखपति बनाया जा रहा है। महिलाओं ने अपनी पहचान बनाई है। उनका सम्मान बढ़ा है। हर घर हर परिवार की महिलाओं को समूह से जोड़ रहे हैं। महिला सशक्तिकरण में यूपी नम्बर एक है। महिलाएं विश्वास का प्रतीक बन गई है। किसी बीसी सखी को कोई समस्या हो तो वह बता सकते है। बीसी सखी ने साझा किए अपने अनुभव, बोलीं – 20 लाख रुपये मिला कमीशन बिहार के भोजपुर जिले की बीसी सखी रूबी कुमारी ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 5000 जनधन खाते खोले हैं। अब तक 57 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया है। 20 लाख कमीशन मिला है सुल्तानपुर की प्रियंका मौर्य ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 37 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन किया गया है। जिससे आठ लाख रुपये कमीशन मिला है। गांव में बीसी सखी की आवश्यकता है। परिवार में भी सम्मान मिलता है। उन्होंने बैंक के स्तर से आ रही दिक्कतें भी बताईं। 'कभी सोचा नहीं जा सकता था कि बीसी सखी की आय एक लाख रुपये महीने हो सकती है' केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कभी सोचा नही था कि बीसी सखी की आय एक लाख रुपये महीने भी हो सकती हैं, सालाना 20 लाख भी हो सकती है। पहले महिला स्वयं सहायता समूह से 2 करोड़ महिलाएं जुड़ी थी, अब दस करोड़ महिलाएं जुड़ गई हैं। एक प्रतिशत से अधिक जिस सखी का एनपीए होगा उन्हें स्पेशल पुरस्कार दिया जाएगा। बीसी सखी की सिविल रेटिंग होनी चाहिए। अधिक रेटिंग वाले समूह को लोन में प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आस्था का सैलाब : मध्य बर्फ की सिल्लियो पर विराजमान होकर अशोकानन्द महाराज ने किया साधना

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : ज्येष्ठ माह की गर्मी में सिद्ध महावीर मंदिर का प्रांगण आस्था के सैलाब मे उस समय डूब सा गया जब वट बृक्ष के नीचे बर्फ की सिल्लियो के ऊपर लगभग डेढ़ घंटे से भी अधिक समय तक नेरी नेवादा बाला जी मंदिर के महन्त अशोकानन्द महाराज ने लोक कल्याण के लिए साधना की। साधना के दौरान भजन, कीर्तन का दौर चलता रहा। इस दौरान भक्ति भाव एवं अध्यात्म से सराबोर भक्त गण ताली बजा बजाकर भजन कीर्तन का रसपान करते हुये स्वयं भी गुनगुनाते रहे। आरती के उपरांत महंत ने यज्ञ कर लोककल्याण एवं प्राणियो मे सद्भाव के लिए कामना की। अशोकानन्द महाराज के नगर आगमन से पूर्व ही कार्यक्रम के आयोजक विजय राठौर, सर्वेश कुमार गुप्ता उर्फ डब्बू, सुरकुट्टी लाल गुप्ता, जगदीश अरोडा उर्फ कुन्नी, विमलेश गुप्ता, दिलीप गुप्ता (दिल्ली बाले)राकेश गुप्ता उर्फ मंगू (सभासद प्रतिनिधि) ,रिंकू त्रिपाठी (पुजारी) सहित तमाम लोग महन्त की अगवानी एवं स्वागत के लिए रेलवे स्टेशन के निकट पिहानी रोड पर पहुंच गए जहां महंत का फूल मालाओं से स्वागत किया गया । नगर की सीमा से साधना स्थल तक कई जगह महंत का गर्मजोशी के साथ फूल मालाओ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर जैसे ही महंत जी हाथ में शिवलिंग लेकर कार से उतरे तभी उपस्थित जनसमुदाय ने जयकारों से माहौल को अध्यात्ममय कर दिया तथा उनका स्वागत करने एवं एक झलक पाने के लिए होड लग गयी। अपना आसन लगाने से पूर्व वर्फ पर ही शिवलिंग को स्थापित किया तथा चिमटा गाडकर एवं शंखनाद कर अपनी साधना

मे लीन हो गये। उल्लेखनीय है कि अशोकानन्द महाराज ने लोक कल्याण के लिए ग्यारह स्थानो पर वर्फ की सिल्लियो पर विराजमान होकर साधना करने का संकल्प लिया है अब तक वह चार स्थानो पर साधना कर चुके है इससे पूर्व वह हरियांवा, मितौली, तथा पिहानी में भी इस प्रकार से साधना कर चुके है। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जनपद के ब्रह्माबली नरनी गांव के निवासी सुन्दर लाल के पुत्र अशोक को बचपन से ही अध्यात्म मे काफी रुचि थी। बताया जाता है कि अशोक काफी बीमार रहते थे । विस्तर पर पडे रहने के चलते उनकी पीठ मे छाले (वेडसोर) पड़ गये थे। लगभग 17 वर्ष की उम्र मे 3 जुलाई 2010 को स्वप्न मे उन्हे बाला जी ने दर्शन देकर बताया कि उनके नेरी नेवादा ग्राम स्थित खेत मे जमीन के नीचे मूर्तिया दबी है उन्हे निकालकर मंदिर का निर्माण कराने का निर्देश दिया। जब अशोक ने स्वप्न मे बताये स्थान पर खुदाई करायी तब वास्तव मे मूर्तियां निकली तभी से अशोक का अशोकानन्द महंत के रूप मे उदय हो गया। महंत ने नेरी नेवादा मे उस स्थान पर बाला जी महाराज का मंदिर बनबाया उसके उपरांत सीतापुर जनपद के पथरी ग्राम मे भी बालाजी का मंदिर बनबाया। महंत किसी से पैसे नही लेते और न ही किसी को पैर छूने देते।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट www.Desh ki upasana.com का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - dku live सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

ट्रैक्टर और बाइक के टक्कर : बाइक सवार पुत्र घायल पिता की मौत

सुजानगंज (जौनपुर) (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : क्षेत्र के बेलवार से बीरापुर सड़क मार्ग पर गुरुवार के दिन सुबह दश बजे के करीब ट्रैक्टर तथा बाइक की टक्कर मे बाइक सवार पुत्र घायल तथा पिता की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार के दिन राकेश कुमार प्रजापति अपने पिता के साथ लल्लन पुत्र जोखू प्रजापति निवासी कोटिला (पूरारामसहाय) बेलवार सुजागंज को लेकर मोटरसाइकिल से प्रतापगढ़ बीरापुर की तरफ रिश्तेदार के यहां जा रहे थे तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने अनियंत्रित होते हुए मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी जिससे चालक एवं पीछे बैठे लल्लन को गंभीर चोट आई तथा घटनास्थल पर ही लल्लन प्रजापति की मृत्यु हो गई। शुक्रवार की सुबह पोस्टमार्टम के पश्चात शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया रोते बिलखते पत्नी कलावती देवी ने बताया ट्रैक्टर चालक द्वारा लापरवाही बरतने के कारण यह दुर्घटना घटी है मृतक लल्लन प्रजापति कापरा परिवार सदमे मे है जिनमे पुत्र राकेश, अखिलेश, विमलेश तथा पुत्री बंदना का रो रो कर बुरा हाल है।

जिलाधिकारी द्वारा यूडीएसपी यूनीफाइड डिजीज सर्विलांस प्लेटफार्म प्रशिक्षण रजिस्ट्रेशन एवं रिर्पोटिंग हेतु समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में यूडीएसपी यूनीफाइड डिजीज सर्विलांस प्लेटफार्म प्रशिक्षण, रजिस्ट्रेशन एवं रिर्पोटिंग हेतु समीक्षा बैठक हुयी, जिसमें जिलाधिकारी महोदय द्वारा यह आदेशित किया गया कि अगले 2–3 दिवसों के अंदर सरकारी सभी अस्पतालों पर प्रशिक्षण कराकर रिर्पोटिंग शुरूआत कर दी जाए तथा निजी चिकित्सालयों के लिए निर्देशित किया गया कि सभी निजी रजिर्स्टड अस्पताल/डाइग्नोस्टिक सेंटर/पैथोलाजी लैब की दो बैचों में मास लेबल पर बैठक कर एच0पी0आर0 एवं एच0एफ0आर0 संयम से रजिस्टर कर उपरोक्त आई0डी0 के साथ कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अनुभाग आईडीएसपी में जाकर यूडीएसपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। जिसमें किसी भी निजी चिकित्सालय की तरफ से कोई लापरवाही न बरती जाए। यूडीएसपी पोर्टल पर 12 बिमारियों की रिर्पोटिंग की जानी है जिसका विवरण मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वारा बताया गया जैसे हेपेटाइटिस बी0, हेपेटाइटिस सी0, टाइफाइड, कालरा, लेप्टोस्पाइरोसिस, स्क्रब टाइफस, डेंगू, चिकन गुनिया, मलेरिया, फाइलेरिया,

जैपनिज इन्सैफलाइटिस, काला जार नोटिफाइबिल बिमारिया हैं जिनकी रिर्पोटिंग सभी सरकारी व निजी चिकित्यालयों द्वारा किया जाना है। मीटिंग मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ–साथ सभी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पुरूष चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला सर्विलांस अधिकारी, जिला महामारी रोग विशेषज्ञ एवं ब्लॉक के सभी सामु0/प्रा0स्वा0केन्द्र के अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

पीडित परिवार को दी सांत्वना

सुजागंज (जौनपुर) (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : क्षेत्र के आजो ग्राम सभा मे कुछ दिन पूर्व दिवाकर उर्फ सूरज पुत्र बृजलाल गौतम

स्नातक की शिक्षा ग्रहण कर रहा था जिनकी साजिश के तहत हत्या कर दी गई थी जिनका शव नहर में मिला था ।मंगलवार के दिन मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी बसपा दिनेश शुक्ला (इंजीनियर) ने पीड़ित के घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा इस दुख की घड़ी में पार्टी के साथ हम सभी आपके साथ हैं जहां भी हमारी जरूरत समझे हर समय आप सब हमें अपने करीब पाएंगे जहां पर जयप्रकाश गौतम, संतोष गौतम ,बाबा तिवारी के साथ ग्रामीण उपस्थित रहे।

दुर्गा माता मंदिर का पांचवा वार्षिकोत्सव सम्पन्न

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नगर के खालिसपुर में भाग्योदय संस्था द्वारा दुर्गा माता मंदिर खालिसपुर का पांचवा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर परिसर में माता के जयघोष से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। सुसज्जित मंदिर में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित है जहा प्रतिदिन भक्तो का सैलाब उमड़ा रहता है मान्यता है की इस मंदिर से लोगो की मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती है । पांचवे वार्षिकोत्सव के मौके पर मां दुर्गा का दरबार सजाया गया । बुधवार को पूरी रात चला कार्यक्रम सुबह आरती के साथ समाप्त हुआ । भाग्योदय संस्था के सौजन्य से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया साथ ही सुप्रसिद्ध भक्ति गीत गायक मनोज सोनी ने देवी गीत से पूरा वातावरण भक्तिमय कर दिया

। पूरी रात मां दुर्गा के दर्शन के लिए भक्तो का तांता लगा रहा । इस मौके पर उदयी मौर्य , सुरेंद्र मौर्य, रत्न मौर्य प्रभाष मौर्य , अजय मौर्य , सुभाष मौर्य , रंजीत मौर्य सूरज मेडिकल के साथ अन्य लोगो ने भक्तो का स्वागत कर प्रसाद वितरित किया।

मेडिकल परीक्षा के तीन केंद्रों पर अचानक पहुंचीं कुलपति

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध आजमगढ़ और मऊ के मेडिकल कॉलेज की परीक्षाओं का निरीक्षण करने गुरुवार को तीन केंद्रों पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य अचानक पहुंचीं। विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेज की आयुर्वेदिक और यूनानी की बीएमएएस और बीएमयूएस की परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो और परीक्षा सुचितापूर्ण कराई जाए। इसके लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों की टीम निरीक्षण कर रही है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने गुरुवार को सुबह के पाली की परीक्षाओं का निरीक्षण किया। गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पानी की व्यवस्था को हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिजली कटने के बाद विद्यार्थियों को लाइट और पंखे की व्यवस्था के लिए जहां जेनरेटर की सुविधा नहीं है वहां व्यवस्था करने का निर्देश भी दिया। कुलपति ने आजमगढ़ के शिवालिक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज बनकट, आरके

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज सठियांव और मऊ के बापू आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज कोपागंज का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शासन और राजभवन का दिशा निर्देश है कि परीक्षा पूर्णतया सुचितापूर्ण ढंग से कराई जाए। हालांकि विश्वविद्यालय इसके लिए पहले से ही प्रतिबद्ध है, इसलिए भीषण गर्मी में भी परीक्षाओं की निगरानी की जा रही है। कुलपति के साथ सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह और कुलपति के निजी सचिव डॉक्टर लक्ष्मी प्रसाद मौर्य शामिल थे।

टीबी मरीजों को ठाकुरबाड़ी ने बांटा पोषाहार किट

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रधानमंत्री टीबीमुक्त भारत अभियान योजना के तहत गुरुवार को सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की ओर से गोद लिए गए टीबी मरीजों को सिंगरामऊ स्थित संस्था के मुख्यालय गौरी शंकर मंदिर पर पोषाहार किट का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ लक्ष्मी सिंह ने मरीजों की हौसला अफजाई करते हुए उनसे उनके स्वास्थ्य तथा दवा मिलने की स्थितियों आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने 2025 तक टीबीमुक्त भारत का संकल्प दोहराया। संस्था की प्रमुख डॉ अंजू सिंह ने बताया की टीबी रोगियों को पोषाहार आहार वितरण के साथ–साथ फॉलोअप लिया जाता है। उन्हें न्यूट्रीशनल सपोर्ट के साथ –साथ वोकेशनल सपोर्ट भी दिया जाता है। इससे मरीजों के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है। सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हर गांव को टीबी मुक्त करने की योजना बनाई है। यह कार्य शुरू भी हो चुका है। समाज को टीबीमुक्त बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है।

उन्होंने बताया संस्था ने जौनपुर के अलावा बिहार में भी 21 टीबी मरीजों को गोद लिया है। उन्हें नियमित रूप से पोषाहार दिया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्था की कोषाध्यक्ष शीला दुबे, उपाध्यक्ष विभा सिंह, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) सिंगरामऊ के प्रभारी चिकित्साधिकारी (एमओआईसी) डॉ अभिषेक वर्मा, सीएल निगम, बदलापुर के एसटीएस तरुण कुमार, मनोज त्रिपाठी, अजय तिवारी, अर्चना त्रिपाठी, लालमणि मिश्रा, मंजू सिंह, सत्यजीत मौर्य आदि उपस्थित रहे।

निकायों में पहली बार अधिकारियों को मिली मनपसंद तैनाती : बांटा गया पत्र

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश सरकार ने अफसरों की तैनाती को लेकर नगर निकायों में नई पहल करते हुए अधिकारियों को उनके मन पसंद निकायों में तैनाती दी है। हाल में ही नवचयनित 97 निकाय अधिकारियों से

विकल्प लेकर उन्हें तैनात किया गया है। इन अधिकारियों को तैनाती देने से पहले 45 दिन का आधारभूत प्रशिक्षण भी दिया गया। अब तक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था नहीं थी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी नवनियुक्त अधिकारियों को नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने तैनाती पत्र दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निकाय अधिकारियों पर शहरों की रैकिंग में सुधार लाना बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए सभी अधिकारी इसके लिए पूरी लगन से प्रयास करें। स्थानीय निकाय निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री ने नव नियुक्त 24 महिला अधिकारी और 73 पुरुष अधिकारियों को तैनाती पत्र दिया। इनमें 5 सहायक नगर आयुक्त, 81 अधिशासी अधिकारी, 9 राजस्व निरीक्षक और 2 सहायक अभियंता (ट्रैफिक) शामिल हैं। उन्होंने नव नियुक्त अधिकारियों को निकायों में कार्यभार संभालने के बाद अपने–अपने कार्यों से शहरों को श्रेष्ठ बनाने की अपील भी की।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

रास्ते का हर रोड़ा एक चेतावनी है, उस चेतावनी को पढ़ना सीखो।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

संसद भवन : ये सवाल तो भावी इतिहास हमेशा पूछेगा

इसमें दो राय नहीं कि 28 मई 2023 को नवनिर्मित संसद भवन का उद्घाटन प्रसंग एक साथ कई इतिहास बनाने वाला है। ये इतिहास वैचारिक संकल्पबद्धता का, उसे दरकिनार करने का, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का, क्षुद्र और दीर्घकालीन राजनीति का, श्रेय न लेने–देने का और ऐसा करने न देने का श्रेय लेने का, हिंदुत्व की परिभाषा में सभी समुदायों के फिट होने का, स्वतंत्र भारत के एक और अनूठे वास्तुशिल्प के लोकार्पित होने का और इस बात को पुनर्परिभाषित करने का कि लोकतंत्र का वास्तुशिल्पीय स्वरूप क्या हो तथा यह भी क्या नई वास्तु भारत के डेढ़ सौ करोड़ नागरिकों के मनोभाव को प्रतिबिंबित करने में सक्षम है? बेशक सवाल कई हैं। नए संसद भवन का उद्घाटन महज एक रस्म अदायगी नहीं है, जिसे किसी ने भी निभा दिया। यह भावी पीढ़ी को सौंपी जाने वाली लोकतांत्रिक विरासत है, जिसके राजनीतिक और सामाजिक पहलुओं को लेकर आने वाली नस्लें सवाल करती रहेंगी। यह उन चुनिंदा वास्तु शिल्पों में से है, जिसे हमने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अंगीकार करने के बाद बनाया है। संसद भवन के लोकार्पण का बहिष्कार अब यह लगभग तय है कि लोकतंत्र में निहित असहमति के सम्मान के मूल्य के बरखिलाफ नए संसद भवन के लोकार्पण समारोह में कांग्रेस और उसके नेतृत्व में 20 विपक्षी दल इस ऐतिहासिक आयोजन का बहिष्कार करेंगे। हालांकि नए संसद भवन के औचित्य, आवश्यकता वास्तुशिल्प को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन फिलहाल जिस बात को विरोधा का मुद्दा बनाया जा रहा है, वो है देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों इसका लोकार्पण कराना। कांग्रेस व अन्य दलों का तर्क है कि चूंकि संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति व लोकसभा व राज्यसभा के दोनों सदन मिलकर ही संसद कहलाती है, इसलिए संसद भवन के शुभारंभ का नैसर्गिक अधिकार राष्ट्रपति का है। अगर हम इसे अधिकार न भी मानें तो भी पहला सम्मान उन्हीं का है, क्योंकि वो देश की सर्वोच्च पदाधिकारी हैं। इसके जवाब में भाजपा और मोदी सरकार का तर्क है कि पहले भी ऐसे कई मौके आए हैं, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री (मुख्य रूप से जवाहरलाल नेहरू) ने कई भवनों व एनेक्सी आदि का लोकार्पण किया है। इसलिए मोदी भी ऐसा ही कर रहे हैं, तो गलत क्या है? वैसे भी मोदी–नेहरू की उस परंपरा को दोहराने जा ही रहे हैं, जिसके तहत 15 अगस्त 1947 की रात देश में सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक स्वरूप नेहरू ने ब्रिटिश सरकार के प्रतिनिधि लॉर्ड माउंटबैटन से सेंगोल ग्रहण किया था। मोदी बनाम नेहरू, आखिर कब तक? भाजपा अमूमन नेहरू के हर काम को गलत ठहराती है और उसे तुष्टिकरण तथा आत्ममुग्धता से जोड़कर देखती है। लेकिन वर्तमान संदर्भ में इसके दो अर्थ हैं। या तो पं. नेहरू ने जो 'गलतियां' की थीं, भाजपा भी अब उसी राह पर चल पड़ी है या फिर नेहरू ने जो किया (जिसमें सेंगोल ग्रहण भी शामिल है) उसे भाजपा अब सही मान रही है। दूसरे, धर्म निरपेक्ष लोकतंत्र के कट्टर समर्थक नेहरू ने सी. राजगोपालाचारी के आग्रह पर ही तमिलनाडु के ऐतिहासिक गौरव काल, चोल साम्राज्य के समय के सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक (जो राज और धर्मदंड जैसा था) को सार्वजनिक रूप से ग्रहण करना स्वीकार किया। चोल काल वह समय है, जब तमिलनाडु में शैव सम्प्रदाय का नए सिरे से उत्थान हुआ। यानी यह उस विचार का स्वीकार भी था, जिससे नेहरू स्वयं बहुत इत्तफाक नहीं रखते थे। फिर भी नेहरू ने इसे इसलिए माना कि राजगोपालाचारी तथा कुछ और लोगों की ऐसी इच्छा थी कि 'सर्वधर्म समभाव' वाले भारत में भी हिंदू परंपराओं की महत्ता बनी रहे। यह दूसरे विचार को तात्कालिक ही सही, मानने का भाव था। हालांकि सत्ता हस्तांतरण के बाद वही सेंगोल इलाहाबाद के संग्रहालय में रखवा दिया गया। राजशाही से भारत के लोकशाही में परिवर्तन का वह प्रतीक 75 सालों तक उपेक्षित पड़ा रहा। यह बात अलग है कि कुछ लोग इसे आज भी सेंगोल को राजदंड यानी राजशाही का प्रतीक मानते हैं। यह हो सकता था कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लोकसभा स्पीकर ने नए संसद भवन के लोकार्पण का अनुरोध किया तो स्वयं मोदी यह पुनीत कार्य राष्ट्रपति से कराने का उदात्त भाव प्रदर्शित करते और इस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर शामिल होते। लेकिन वैसा कुछ नहीं हुआ। वैसे मोदी इस भवन का शिलान्यास स्वयं कर ही चुके थे और जनता में यह संदेश साफ था कि नया संसद भवन, काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह मोदीजी का ही ड्रीम प्रोजेक्ट है। अर्थात स्वयं लोकार्पण न करने के बाद भी श्रेय उन्हीं के खाते में लिखा जाता। लोकार्पण का बहिष्कार– क्षुद्र राजनीति नए संसद भवन के लोकार्पण का बहिष्कार प्राथमिक तौर पर क्षुद्र राजनीति लगती है, लेकिन इसका संदेश गहरा और दूरगामी होगा। इसे केवल विपक्षी एकता की एक और कोशिश अथवा कर्नाटक चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की बढ़ती आक्रामकता के तौर पर ही देखना सही नहीं होगा। विपक्ष ने राष्ट्रपति को मुद्दा इसलिए भी बनाया है, क्योंकि वो एक महिला हैं और उस आदिवासी समाज से हैं, जिस समाज से पहला राष्ट्रपति बनाने का श्रेय लेने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी। यह सही भी था कि जिन्हें देश का मूल निवासी माना जाता है, उस वर्ग का कोई राष्ट्रपति भी बने, यह मानने में 75 साल लग गए। कांग्रेस चाहती तो खुद ऐसा कर सकती थी, लेकिन तब उसकी निगाह में क्षेत्रीय अथवा धार्मिक संतुलन ही ज्यादा महत्वपूर्ण रहा। लेकिन इस समय वो यह दिखाना चाहती है कि भाजपा और मोदी का आदिवासी प्रेम महज दिखावा और वोटसापेक्ष है। जब वास्तव में श्रेय लेने की बात आती है तो बड़ी आसानी से आदिवासियों को किनारे कर दिया जाता है। इसे सही ठहराने के तर्क भी गढ़ लिए जाते हैं।इस दुखती रग पर भाजपा और उसे बड़बोले प्रवक्ता मौन हैं। जवाब में वो कांग्रेस की 'गलतियों' को वैधानिक ठहराने में अपना बचाव मान रहे हैं। कांग्रेस व अन्य दलों का विरोध इसलिए भी है, क्योंकि उद्घाटन का मुहूर्त तिथि किसी राष्ट्रीय उत्सव के बजाय हिंदुत्व विचार के जनक वीर सावकर की जन्म जयंती को चुना गया। यह परोक्ष रूप से भारत के हिंदू राष्ट्र बनने का संकेत है। फर्क इतना है कि कांग्रेस 'हिंदुओं' को चाहती है, 'राष्ट्र' को भी चाहती है, लेकिन 'हिंदू राष्ट्र' को नहीं चाहती। जहां तक तकनीकी तौर पर संसद भवन के उद्घाटन की बात है तो प्रधानमंत्री को उतना ही अधिकार है। वैसे भी जब मोदीजी हर वंदे मातरम् ट्रेन को हरी झंडी दिखा रहे हैं तो ये तो संसद भवन का मामला है, उस संसद भवन का, जिसके वो नेता हैं और करोड़ों हिंदुओं के आदर्श हैं। लिहाजा यह उद्घाटन इस मायने में भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह भव्य भवन एक हिंदू राजपुरुष द्वारा देखे गए सपने, एक हिंदू वास्तुशिल्पकार द्वारा डिजाइनीकृत, हिंदुत्व विचारधारा के पुरोधा की जयंती पर उद्घाटित, हजारों हिंदू श्रमिकों (जिनमें कुछ दूसरे धर्मों के भी हो सकते हैं) के हाथों निर्मित व भारत के विश्व गुरू बनने के मंगलाचरण का महाघोष करता स्थापत्य है। ऐसे स्थापत्य के लोकार्पण के लिए मोदी से बेहतर कोई हो ही नहीं सकता। जहां तक कांग्रेस की बात है तो संसद भवन के लोकार्पण के बहाने वो जो मोदी विरोध का नरेटिव खड़ा करना चाहती थी, उसमें उसे आंशिक सफलता ही मिली है। क्योंकि 17 ऐसे विरोधी दल इस समारोह में शामिल हो रहे हैं, जिनके लिए मोदी समर्थन से ज्यादा कांग्रेस विरोध महत्वपूर्ण है तथा जो लोकतंत्र के इस नए मंदिर के उद्घाटन को दलीय दुराग्रहों से ऊपर उठकर देख रहे हैं। यानी विपक्ष भी पूरी तरह एक नहीं है। साथ ही इससे 2024 में संभावित राजनीतिक समीकरणों की झलक मिलती है। आगामी चुनावों में मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। कई सवालों का जवाब भविष्य की गोद में एक और सवाल कि क्या नया संसद भवन एक लोकतांत्रिक राष्ट्र की आत्मा का वास्तुशिल्पीय प्रतिबिंब है या नहीं? अमूमन शिल्पशास्त्र का सीधा सम्बन्धा मानव सभ्यताओं और संस्कृति के उत्थान पतन, राजनीतिक विचारों और राजशैलियों के विकास व सामाजिक परिवर्तनों से रहा है। प्रायः माना जाता है कि राजशाही अथवा औपनिवेशिक वास्तुशिल्प में अधिनायकवादी प्रवृत्ति हावी होती है। वह मंत्रमुग्धता करने के साथ स्थापत्य की किसी हद तक आतंकित करने वाली विराटता, भव्यता, उत्कृष्टता और अप्रतिमता आम आदमी को उसके बौने पन और अजनबीपन का अहसास भी कराती है। जबकि लोकतांत्रिक वास्तु शिल्प में संवाद, परस्पर गरिमा और सहज भव्यता पर जोर रहता है। ऐसी भव्यता जिसमें देश का नागरिक खुद को सहज महसूस करे, उसे अपने राजनीतिक दर्शन का स्वाभाविक वास्तुशिल्पीय बयान मानें।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

23 अगस्त को तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत तुलसीधाम गोण्डा में होगा तुलसी विषयक शास्त्रार्थ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सनातन धर्म परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ स्वामी भगवदाचार्य जी महाराज ने शास्त्रार्थ की चुनौती देते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की उक्ति ढोल गंवार उक्ति में दलित समाज और नारी वर्ग की निंदा की गयी है। ऐसा मंतव्य स्वामी प्रसाद मौर्य और बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्र शेखर यादव ने सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया है, जबकि अन्य अनेक मानस मर्मज्ञों का यह तर्क है कि इसमें कदापि किसी की निन्दा नहीं की गयी है। इसका निराकरण करने के लिए हम शास्त्रार्थ का आयोजन करना चाहते हैं। अपना पक्ष रखने के लिए आप स्वयं या अपना एक प्रतिनिधि भेजने की कृपा करें। हमारी ओर से भी स्पष्टीकरण देने हेतु मानस मर्मज्ञ प्रस्तुत होंगे। इस शास्त्रार्थ की प्रस्तावित तिथि 23 अगस्त 2023, स्थान तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत वि. ख० परसपुर तह० करनैलगंज जनपद गोंडा, उत्तर प्रदेश । समय पूर्वाह्न 10 बजे से सायं 6 बजे तक। एक निर्णायक हमारी ओर से होंगे और एक निर्णायक आप नामित करेंगे, उसे लाने का दायित्व आप पर रहेगा। श्रोताओं की ओर से और एक निर्णायक नामित होंगे। निर्णय बहुमत द्वारा किया जाएगा। इस समारोह की सारी व्यवस्था और आपका आतिथ्य सत्कार हम करेंगे। आयोजन सनातन धर्म परिषद एवं श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास द्वारा आयोजित होगा। डा. स्वामी भगवदाचार्य अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश कोचिंग संघ के अध्यक्ष बादल चोपड़ा ने शुरू किया शिक्षक जोड़ो अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। तृतीय बड़े मंगल के शुभ अवसर पर 'उत्तर प्रदेश कोचिंग संघ के अध्यक्ष श्री बादल चोपड़ा जी' द्वारा शिक्षक जोड़ो अभियान' प्रारंभ किया गया। इस अभियान के प्रथम चरण में शारदा आईएएस के निदेशक अभय शुक्ला ,स्काई आईआईटी कोचिंग के निदेशक विकास , शिक्षा क्लासेस के निदेशक महेंद्र सिंह , प्रगति एकेडमी के निदेशक अनिल , अमेरिकन इंग्लिश स्पीकिंग के निदेशक मनीष राघव ,ठेप सैनिक अकादमी के निदेशक डीके सिंह , एक्सीलेंट क्लासेस के निदेशक महामंत्री अश्विनी सिंह तथा देव टेटोरिल्स के निदेशक कोषाध्यक्ष धीरज देव से मुलाकात करके

2024 मे होने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश कोचिंग संघ की भूमिका तथा निजी कोचिंग संचालकों व शिक्षक हित के संदर्भ में चर्चा की गई।

इण्टर स्कूल इंग्लिश एल्यूकेशन कंपटीशन सम्पन्न

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज पिहानी पब्लिक स्कूल में इंटर–स्कूल इंग्लिश एल्यूकेशन कंपटीशन सम्पन्न हुआ। डॉ० राजीव रत्न साहू प्रवक्ता अंग्रेजी राजकीय महाविद्यालय पिहानी मुख्य अतिथि, प्रमोद कुमार शुक्ला प्रधानाचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय प्रमुख अतिथि एवं परीशा तिवारी समाजसेवी, हरदोई जज के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने अन्तरविद्यालयीय अंग्रेजी वाग्मिता प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के प्रयास की भूरि–भूरि सराहना की। डाक्टर साहू ने बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर बेहतरीन तैयारियों के लिए शिक्षकों की प्रशंसा की। श्री शुक्ला ने बच्चों ने प्रदर्शन को देखकर भविष्य में उनके काफी प्रगति करने की आशा जताई। वहीं परीशा तिवारी ने कहा कि वह पहले भी आ चुकी हैं, आज बच्चों में अपनी थीम के प्रति जबरदस्त आत्मविश्वास और जो जागरूकता दिखाई दी उससे कदापि ऐसा नहीं लगता कि हम पिहानी के किसी स्कूल में हैं। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक अवधेश रस्तोगी तथा प्रतिभागियों के परिजन उपस्थित

रहे। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में दर्शना वाजपेई प्रथम, अंशिका रस्तोगी द्वितीय तथा अनामिका त्रिवेदी तृतीय वहीं सीनियर वर्ग में शताक्षी सिंह प्रथम, वैभव मिश्रा द्वितीय और मानवीय सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं के साथ–साथ सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। आराध्या रस्तोगी, मोहम्मद अनस, आरजू, दिव्यांश सिंह, हर्षित सिंह, वेदिका वैश्य, दिशा वैश्य, अमीर हम्जा, गौरी शुक्ला तथा अग्रिमा सिंह ने प्रतिभाग किया।

मुख्तार के बाद विधायक बेटे अब्बास अंसारी की बढ़ेंगी और मुश्किलें : एसटीएफ ने दाखिल की चार्जशीट

लखनऊ ब्यूरो : गैरकानूनी तरीके से शस्त्र लाइसेंस हासिल कर उससे आठ प्रतिबंधित बोर के विदेशी असलहे खरीदने के मामले में यूपी एसटीएफ ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मऊ से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ अनुपूरक आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। इसमें अवैधा तरीके से शस्त्र लाइसेंस हासिल करने, विदेश से असलहे लाने और बिना अनुमति लाइसेंस पर आठवां शस्त्र लाकर चढ़वाने के आरोपों की पुष्टि की गई है। मंगलवार को राजधानी की एमपी–एमएलए कोर्ट में एसटीएफ के विवेचक ने अनुपूरक आरोप पत्र के साथ दिल्ली पुलिस, लखनऊ पुलिस, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की कस्टम विंग और यूपी राइफल एसोसिएशन के मूल दस्तावेज भी सौंपे हैं। साथ ही, 15 सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयानों की प्रति भी दी है। एसटीएफ के इस कदम के बाद अब्बास अंसारी की मुश्किलें बढ़ना तय माना जा रहा है। एसटीएफ ने अब्बास अंसारी के खिलाफ दिसंबर 2020 में आरोप पत्र दाखिल किया था। हालिया अनुपूरक आरोप पत्र में एसटीएफ ने अब्बास अंसारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए शस्त्र लाइसेंस से संबंधित दस्तावेजों की मूल प्रति अदालत को सौंप दी है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस के तीन आईजी रैंक के अफसरों प्रभाकर, शंकर दास, सुभाषीश चौधरी, रिटायर्ड एसीपी वेद प्रकाश, आर्म्स इंस्पेक्टर जसवंत और लाइसेंस जारी करने से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयान की जानकारी भी अदालत को दी है। इसी तरह दिल्ली एयरपोर्ट के कस्टम के असिस्टेंट कमिश्नर विद्याधर बी.पचौरे, कस्टम अधिकारी कुलदीप, यूपी राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष व लिपिक और लखनऊ कलेक्ट्रेट में तैनात असलहा बाबू से हुई पूछताछ के बाद दर्ज बयानों से भी अदालत को अवगत कराया है। इन बयानों में अब्बास अंसारी पर अवैध तरीके से शस्त्र लाइसेंस हासिल करने, विदेश से असलहे लाने और बिना अनुमति लाइसेंस पर आठवां शस्त्र लाकर चढ़वाने के आरोपों की पुष्टि की गई है। एसटीएफ कर चुकी है विभागीय कार्रवाई की सिफारिश दरअसल अब्बास अंसारी के अवैधा शस्त्र लाइसेंस प्रकरण में जांच के घेरे में आए दिल्ली पुलिस के अधिकारियों, कस्टम अधिकारियों और लखनऊ के तत्कालीन डीएम अनुराग यादव, पुलिस अधिकारियों और असलहा बाबू के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने की एसटीएफ सिफारिश कर चुकी है। इन सभी के खिलाफ विभागीय जांच जारी है। इस प्रकरण का मुकदमा 12 अक्तूबर 2019 को राजधानी की महानगर कोतवाली में दर्ज हुआ था, जिसके बाद शासन ने इसकी जांच एसटीएफ के सुपुर्द कर दी थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में इसकी जांच के दौरान अब्बास के सारे असलहों को जमा करा लिया गया था। वहीं एसटीएफ के बढ़ते दबाव के बाद दिल्ली पुलिस ने अब्बास का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया था। दिल्ली ट्रांसफर कराया था लाइसेंस अब्बास ने वर्ष 2012 में अपने लखनऊ के पते पर शस्त्र लाइसेंस बनवाया था। तत्कालीन डीएम और पुलिस प्रशासन ने उसके खिलाफ दर्ज मुकदमों को नजरअंदाज कर इसकी संस्तुति की थी। बाद में उसने वर्ष 2015 में लाइसेंस बिना अनुमति दिल्ली ट्रांसफर करवा लिया। इसके बाद विदेश से आठ असलहे खरीदे,जो प्रतिबंधित बोर के थे। ये असलहे हवाई जहाज से पर्सनल बैगेज में लाए गए, जिनको कस्टम अधिकारी आंख मूंद कर क्लीयरेंस देते रहे। जांच में पता चला कि ये असलहे लाने के लिए अब्बास ने इंपोर्ट परमिट भी नहीं लिया था। कस्टम अधिकारियों ने उसके बैगेज को खोलकर चेक भी नहीं किया। उसने केवल बैरल लाने का दावा किया, जिस पर अधिकारियों ने भरोसा कर जाने दिया।

माफिया विनोद उपाध्याय ने मांगी रंगदारी : जमीन मुझे बेचो या प्रति प्लाट दो 5 लाख रुपए : 5 पर एफआईआर

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : गोरखपुर जिले के टॉप टेन माफिया विनोद उपाध्याय ने एक व्यक्ति से जमीन या प्रति प्लाट 5 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। पीड़ित की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने माफिया विनोद उपाध्याय, उसके छोटे भाई संजय, नौकर छोटू और अज्ञात पर केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस ने माफिया विनोद की स्कार्पियो गाड़ी भी सीज किया है। साथ ही नौकर छोटू को गिरफ्तार कर लिया है। वकील की जमीन पर माफिया की नजर दरअसल, कैंट इलाके के दाउदपुर निवासी प्रवीण कुमार श्रीवास्तव क्राइम के पूर्व अतिरिक्त जिला सरकारी वकील रह चुके हैं। उनकी पुश्तैनी जमीन गुलरिहा इलाके के सलेमपुर उर्फ मुगलपुर मोगलहा में है। प्रवीण कैंसर से पीड़ित हैं। इलाज के लिए रुपए की उन्हें सख्त जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए वह गुलरिहा वाली जमीन बेचना चाहते थे। अंजाम भुगतने की दी धमकी आरोप है कि माफिया विनोद उपाध्याय और उसके भाई संजय उपाध्याय की नजर जमीन पर काफी दिनों से थी। जैसे ही विनोद को पता चला कि प्रवीण जमीन बेच रहे है तो उसने जमीन उन्हें ही बेचने के लिए धमकी देने लगे। कहा कि अपनी सभी जमीन हमें औने–पौने दाम में बेच दो या प्रति प्लाट 5–5 लाख रंगदारी दो नही तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। ध्माफिया के गुर्गे गिरा देते बाउंड्री आरोप है कि विनोद और उसके गुर्गे कई बार मेरी बाउन्ड्री गिरा चुके है। लेकिन, कोई कार्यवाही नही हुई। 17 अप्रैल 2022 को प्रवीण अपने भाइयों के साथ जमीन को चिह्नित कराने अपने प्लाट पर गया था। तब विनोद और उसका भाई संजय, नौकर छोटू और दो अज्ञात जमीन पर आए और गाली देने लगा और जबरन जमीन बेचने के लिए दबाव बनाने लगा। जमीन या प्रति जमीन 5–5 लाख मांगने लगे। एसएसपी के निर्देश पर दर्ज हुई एफआईआर प्रवीण ने इसकी शिकायत एसएसपी से की थी। एसएसपी के निर्देश पर गुलरिहा पुलिस ने रंगदारी मांगने, धमकी देने आदि आरोप में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बिहार निवासी नौकर छोटू उर्फ बड़ा बाबू निवासी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने बताया, माफिया विनोद के खिलाफ केस दर्ज कर उनके नौकर को गिरफ्तार किया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश चल रही है। जल्द ही विनोद पर इनाम भी घोषित किया जाएगा।

आईपीएल में सट्टा हारा तो बन गया लुटेरा : 60 सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने पकड़ा

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : गोरखपुर पुलिस नें एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से लूटे गए 50 हजार रुपए भी बरामद किए हैं। बदमाश ने बीते 16 मई को रामगढ़ताल इलाके की महिला से लूट की थी। हालांकि, आरोपी सीसीटीवी में कैद हो गया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी पहचान कर उसे दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान रामगढ़ताल इलाके के न्यू शिवपुर कॉलोनी, फलमंडी निवासी 20 वर्षीय आदित्य गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता के रूप में हुई। पूछताछ में बदमाश ने जो बताया, उसे सुन पुलिस भी चौंक गई। उसने पुलिस को बताया कि वह प्च्स में सट्टा हार गया था। इसकी वजह से वह कर्ज में आ गया। ऐसे में उसने लूट की वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपी मोबाइल की दुकान पर काम करता है। उसके पिता सब्जी बेचते हैं। इसने पहली बार घटना को अंजाम दिया है। 60 सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ा गया बदमाश एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया, 16 मई 2023 को पंजाब नेशनल बैंक रामगढ़ताल नहर रोड शाखा से गायघाट की रहने वाली महिला सुशीला देवी प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा निकालने गई थी। 50 हजार निकाल कर जब वो घर वापस जा रही थी, तभी एक बाइक सवार ने जीडीए पंप हाउस के पास लहसडी रोड पर उनके पैसे लूट लिया और फरार हो गया। सुशीला देवी की सूचना पर रामगढ़ताल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बैंक और आसपास में लगे सीसीटीवी की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। 7 दिनों में लगभग 60 सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी की पहचान की गई। इसके बाद उस क्षेत्र में आरोपी की फोटो दिखा कर पता लगाया गया। जिसे बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। बैंक में की थी रेकी एसपी सिटी ने बताया, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आईपीएल में सट्टा लगाया था। इसमें वो काफी पैसे हार गया था। इसकी भरपाई के लिए उसने महिला से लूट की। लूट वाली घटना के दिन आरोपी आदित्य बैंक के अंदर और बाहर काली चेकदार शर्ट पहने बैठा था। इस दौरान उसकी नजर अचानक दुबली पतली बुजुर्ग महिला पर पड़ी। जो बैंक से पैसे गिनते हुए निकल रही थी। लूट की पूरी रकम बरामद महिला अपने घर जाने के लिए ऑटो में बैठी तो आरोपी ने बाइक से पीछा किया। जब महिला ऑटो से उतर कर लहसडी रोड पोखरे के पास पहुंची तो सुनसान इलाका देख कर लूट को अंजाम दिया। उन्होंने बताया, लूट की पूरी रकम पुलिस ने बरामद कर ली है। साथ ही लूट में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर लिया गया है।

अतीक के वकील और व्यापारी के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल : मामले की जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज ब्यूरो : अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा और दरियाबाद के लकड़ी व्यवसायी सईद के अहमद के बीच हुई बातचीत का एक ऑडियो वायरल हुआ है। इसमें तीन करोड़ लेन देन की बात कही जा रही है। इसी ऑडियो क्लिप के आधार पर विजय मिश्रा के खिलाफ तीन करोड़ की रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस का कहना है कि व्यापारी को बयान के लिए बुलाया गया है। उसके बयान के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी। वायरल ऑडियो 17 अप्रैल का बताया जा रहा है। उधर वकील विजय मिश्रा ने पुलिस पर ही आरोप लगाया है।माफिया अतीक के अहमद के वकील विजय मिश्रा के खिलाफ दरियाबाद के लकड़ी व्यवसायी ने तीन करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट भी लिखाई गई है। बुधवार को वह ऑडियो वायरल हो गया जिसके आधार पर सईद ने विजय मिश्रा के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई थी। ऑडियो में विजय मिश्रा फोन पर सईद से कह रहे हैं कि 'अतीक अहमद ने जो तीन करोड़ दिए थे, उसका हिसाब किताब करेंगे? इस पर सईद ने कहा कि हां कर लेंगे। विजय इसके बाद कहते हैं कि दो घंटे में हिसाब कर लीजिए। अभी पहुंचेंगे लोग। फोनवा पे जऊन बोलत अहा, कर लेंगे'। इसी तरह बातचीत आगे बढ़ती है। विजय मिश्रा कहते हैं कि 'कल किसी को भेजे थे क्या। व्यापारी बोला, अरे वो है। एक विजय और था, वह आपके पास चला गया था। विजय ने कहा कि लगी बहुत तेज गुस्सा, हम कहे। चलो हम सईद भाई से बात कर लेंगे। ऐसे समय ऐसी बात कर रहे हो यार। इस पर व्यापारी सईद ने कहा कि हम आपको डायरेक्ट फोन करेंगे, आप कस्टमर हैं क्या जो किसी को भेजेंगे। आप कस्टमर तो हैं नहीं। दो विजय थे। डायरी में एक जगह विजय भाई एडवोकेट लिखा था, दूसरी जगह विजय प्लाई लिखा था। उसने विजय प्लाई की जगह आपको फोन कर दिया। उसमें विजय भाई लिखा हुआ था। इसी के बाद ऑडियो खत्म हो जाता है। पुलिस ने

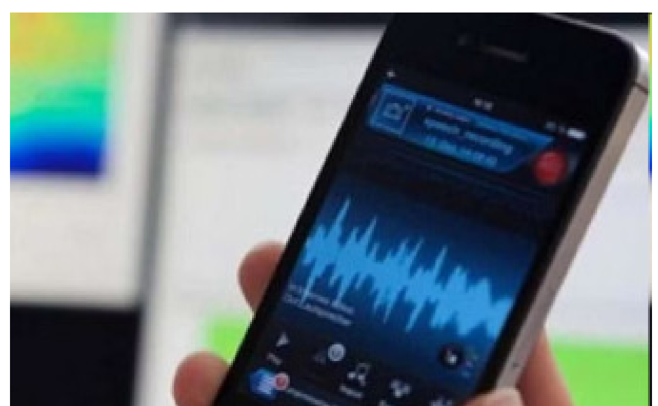

इसी ऑडियो के आधार पर वकील विजय मिश्रा के खिलाफ रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर अतरसुइया योगेश सिंह ने बताया कि जल्द ही व्यापारी को बयान के लिए बुलाया जाएगा। वकील विजय मिश्रा से भी पूछताछ की जाएगी। फिलहाल उन्होंने सिर्फ तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। दूसरी ओर विजय मिश्रा ने बताया कि उनका सईद अहमद से कोई विवाद नहीं है। ऑडियो काफी समय पहले से ही पुलिस के पास है। इसी ऑडियो के आधार पर सईद को हिरासत में भी लिया गया था। उन पर दबाव डालने के लिए पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। अधूरा है वॉयरल ऑडियो वकील विजय मिश्रा और व्यापारी सईद अहमद के बीच बातचीत का जो ऑडियो वायरल हुआ है, वह अधूरा है। दोनों के बीच बातचीत चल ही रही होती है कि ऑडियो को वहीं से काट कर वायरल कर दिया गया। वायरल ऑडियो में अंतिम वाक्य सईद अहमद का है जिसमें वह कह रहा है कि 'डायरी में आपका नाम विजय भाई लिखा था। एडवोकेट नहीं लिखा था'। इसी के बाद का हिस्सा वायरल ऑडियो से काट दिया गया। पुलिस की जांच के बाद ही पता चलेगा कि दोनों के बीच आगे क्या क्या बातें हुईं। वकीलों का प्रतिनिधिमंडल मिला कमिश्नर से, कहा दबाव बनाने के लिए पुलिस ने की कार्रवाई वकील विजय मिश्रा के खिलाफ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज होने के बाद वकीलों में आक्रोश है। बुधवार को वकीलों के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर इसे दबाव की कार्रवाई बताया। वकीलों ने कहा कि फर्जी मुकदमे को स्पंज किया जाय। इस मामले में भी कार्रवाई न करने की भी मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गिरीश तिवारी, मंत्री विद्या वारिधि मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष उमा शंकर तिवारी, राकेश तिवारी और पूर्व मंत्री कौशलेश सिंह समेत तमाम वकील शामिल थे।

लगातार चौथे साल नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें : नियामक आयोग ने बिजली कंपनियों का खारिज किया प्रस्ताव

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में लगातार चौथे साल बिजली की दरें नहीं बढ़ाई गई हैं। विद्युत नियामक आयोग ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की बिजली कंपनियों की तरफ से दाखिल 18 से 23 फीसदी बढोत्तरी के प्रस्ताव को खारिज करते हुए एक बार फिर प्रदेश की बिजली दरों में कोई भी बदलाव न करते हुए दरें यथावत रखी हैं। नोएडा पावर कंपनी क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली दरों में 10 फीसदी की कमी की गई है। बिजली दरों में कमी को रोकने के लिए अपर मुख्य सचिव ऊर्जा द्वारा वितरण हानियों को आरडीएसएस स्कीम के तहत मानने वाला प्रस्ताव खारिज कर दिया है। इस वर्ष भी प्रदेश के उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 7988 करोड़ रुपये सरप्लस निकला है। बिजली कर्मचारियों यानी कि विभागीय कार्मिकों का जो एलएमवी– 10 था उसे टैरिफ शेड्यूल से बाहर कर दिया गया है और अब सभी बिजली कार्मिक घरेलू विद्युत उपभोक्ता की श्रेणी में आएंगे। सभी बिजली कार्मिकों के घरों पर अनिवार्य रूप से मीटर लगाने का आदेश दिया गया है। आयोग ने ट्रांसमिशन टैरिफ 26 पैसे प्रति यूनिट तय किया है। उपभोक्ता परिषद का बड़ा एलान उपभोक्ता परिषद ने ऐलान किया है कि जब तक बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का बकाया बना रहेगा तब तक बिजली दर नहीं बढ़ने दिया जाएगा। अब कुल सरप्लस बढ़कर 33,121 करोड़ रुपये हो गया है। अगले 10 वर्षों तक दरों में बढ़ोतरी नहीं

हो सकती है। नियामक आयोग ने किए कई प्रावधान विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2023– 24 के लिए बिजली कंपनियों की तरफ से दाखिल 92,564. 89 करोड़ की वार्षिक राजस्व आवश्यकता को न मानते हुए केवल 86,579.51 करोड़ वार्षिक राजस्व की आवश्यकता अनुमोदित की गई। साथ ही विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली कंपनियों द्वारा जो 140.96 मिलियन यूनिट की खरीद दिखाई गई थी उसके सापेक्ष 133.45 बिलयन यूनिट की खरीद अनुमोदित की गई। बिजली कंपनियों द्वारा जो वितरण हानियां 14.90 प्रतिशत मानी गई थी। विद्युत नियामक आयोग द्वारा केवल 10.30 प्रतिशत ही मान्यता दी गई। आयोग ने बिजली चोरी का खामियाजा प्रदेश के उपभोक्ताओं पर ना पडेध इसलिए हानियों का आकलन बिजनेस प्लान के तहत किया। आयोग द्वारा 15,200 करोड़ सब्सिडी को मानकर जो टैरिफ का निर्धारण स्लैब वाइज किया गया है। उससे बिजली कंपनियों को लगभग 85,105.59 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा।

एक ही घर में तीन शव मिलने से हड़कंप : बाप–बेटे और बच्चे की मौत से हैरान है पुलिस!

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में एक घर से तीन शव मिलने की खबर है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि मुंशी घाट (दशाश्वमेध) स्थित एक मकान से तीन डेड बॉडी मिले हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गई है।वाराणसी के दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के बंगाली टोला मोहल्ले के एक मकान में गुरुवार को पिता, पुत्र और एक बच्चे का शव मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस के अनुसार मामला प्रथमदृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। तीनों ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर जान दी है। दशाश्वमेध क्षेत्र के बंगाली टोला में जनार्दन तिवारी अपने दो बेटों के साथ रहते हैं। जनार्दन घाट पर चाय बेचने का काम करते हैं और उनके दो बेटे इसी काम में सहयोग करते हैं। बताया जाता है कि जनार्दन और उनके एक बेटे अश्विनी में आए दिन झगड़ा होता था।

इन दिनों जनार्दन का नाती दीपू भी उनके घर आया हुआ था। बुधवार को जनार्दन के घर से कोई आहट ना आने पर पड़ोसियों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस आई तो जनार्दन, अश्वनी और दीपू मृत पड़े हुए थे। एसीपी दशाश्वमेध अवधेश कुमार पांडेय ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हुआ है। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम बुलाई गई है। घटना की जांच की जा रही है।

सपना हत्याकांडः 12 साल से था आना–जाना : महंत के परिवार में दखल : सोते वक्त हाथ–पैर बांधे और फिर डंडे से किए वार

लखनऊ ब्यूरो : प्रयागराज निवासी मूर्छना पाठक उर्फ सपना की हत्या महंत की बेटी–दामाद व दो नातियों ने ही मिलकर की थी। मामला उजागर न हो इसलिए महंत ने अपने एक करीबी की मदद से कब्र खोदकर शव दफनाकर नमक झोंक दिया था। महंत समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया। पूछताछ में उन्होंने वारदात कुबूल की है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों को शक था कि महंत, महिला को संपत्ति व रकम न सौंप दें, इसलिए वारदात अंजाम दी। नामजद दो आरोपी फरार हैं, उनकी तलाश जारी है। मूर्छना पाठक बीरबल साहनी मार्ग पर स्थित कैलाशपुरी घाट मंदिर के पास की गोशाला में आती जाती रहती थीं। 16 मई को वह आई थीं। 21 की रात पुलिस को सूचना मिली कि गोशाला में एक महिला को दफनाया गया है। पुलिस ने जांच की और मजिस्ट्रेट की अनुमति लेकर 22 मई को शव बाहर निकलवाया। तब सपना के शव की शिनाख्त हुई और पुलिस ने उनके परिवार वालों को सूचना दी। मंगलवार को जब शव का पोस्टमार्टम हुआ तो पता चला कि सपना की हत्या की गई थी। पुलिस ने देर रात गोशाला में रहने वाले महंत राम सुमन चतुर्वेदी उनकी बेटी शीला मिश्रा, दामाद बाबूराम मिश्रा, नाती रोहित मिश्रा व उदय मिश्रा के अलावा उनके परिचित संजीव त्रिपाठी पर हत्या व साक्ष्य मिटाने का केस दर्ज किया था। पूछताछ में सामने आया कि बाबूराम, शीला, रोहित व उदय ने सपना की हत्या की थी। महंत व संजीव ने शव दफनाया। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करते रहे, लेकिन बाद में वारदात बताई। महंत मूलरूप से सुलतानपुर जिले का रहने वाला है। आरोपी संजीव व रोहित अभी फरार हैं। 12 साल से था आना–जाना, परिवार वाले रखते थे खुन्नस सपना के भाई कौस्तुब ने एफआईआर दर्ज कराई है। उसके मुताबिक करीब आठ साल पहले सपना कैलाशपुरी घाट मंदिर आई थीं। यहीं पर महंत राम सुमन चतुर्वेदी से उसकी मुलाकात हुई थी। तब से वह यहां पर आती जाती रहती थीं। कई–कई दिन वह रुकती थीं। इस दौरान महंत चढ़ावे आदि की रकम देता था। पास में झोपड़ी डालकर महंत के बहन व बहनोई का परिवार भी रहता है। पूछताछ में आरोपियों

ने बताया कि सपना अब उनके पारिवारिक मामले में दखल देने लगी थी। महंत भी उसी पर पैसा खर्चा करते थे। भविष्य में संपत्ति आदि भी उसको न दें इसकी चिंता थी। इसलिए ये सभी उससे खुन्नस रखते थे। वारदात को अंजाम देने की वजह भी यही रही। सोते वक्त हाथ–पैर बांधे, फिर डंडे से किए वार पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि वारदात के दिन सपना सो रही थी। तभी आरोपियों ने उसके हाथ–पैर बांध दिए। उसके बाद उसके सिर व शरीर पर डंडे से वार कर दिए। जब महंत सुबह सोकर उठे तो देखा कि सपना मृत पड़ी थीं। इसके बाद महंत व संजीव ने मिलकर लाश ठिकाने लगाई। वारदात के बाद महिला का बंद कर दिया था मोबाइल कौस्तुब ने बताया कि अक्सर उनकी फोन पर सपना से बात हो जाती थी। 19 से 20 मई के बीच सपना का मोबाइल बंद जा रहा था। दूसरे ही दिन पुलिस ने अनहोनी की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सपना का शव ठिकाने लगाने के बाद उसका मोबाइल, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज एक झोले में रख दिए थे। मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह फंस न जाएं, इसलिए ऐसा किया था। कृषि विभाग से रिटायर्ड है महंत, परिवार को बचाने का किया प्रयास राम सुमन तिवारी कृषि विभाग से रिटायर्ड हैं। वह वहां पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रहे हैं। लंबे समय से वह गोशाला में रहकर गायों की देखरेख कर रहे हैं। मंदिर में पूजा पाठ करते हैं। सूत्रों के मुताबिक, महंत सपना को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे। अन्य आरोपियों ने जब सपना को मार दिया तो वह अपने परिवार वालों को बचाने के लिए शव को ठिकाने लगाया। ये बाद महंत ने पूछताछ में बताई। महंत अपनी पेंशन की रकम भी सपना को देते थे।

दुकानों पर श्रम विभाग का छापा

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : श्रम विभाग की गठित टीम ने एक सघन चेकिंग अभियान के तहत दुकानों पर मारा छापा।जिले के अलीगंज बाजार में श्रम विभाग के छापे से व्यवसायियों में मचा हड़कंप।छापे के दौरान बाजार में एक नामचीन दुकान पर पाए गए 18 वर्ष से कम के बच्चे।बाजार के रेस्टोरेंट,होटल,कपड़े की दुकान और ऑटो पार्ट्स की दुकानों पर पड़े छापे।

एसपी अनुराग आर्य ने बिलरियागंज थाना का किया वार्षिक निरीक्षण : एसआई निलंबित

आजमगढ़ पत्रकार राजकुमार जायसवाल : बिलरियागंज के पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार दोपहर को बिलरियागंज थाने का वार्षिक निरीक्षण किया जिससे हड़कंप की स्थिति मची रही । इस दौरान थाना

कार्यालय के अभिलेखों भूमि विवाद रजिस्टर, महिला उत्पीड़न, रजिस्टर, बीट बुक, जनसुनवाई रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया तथा साथ ही साथ थाना परिसर की साफ–सफाई ठीक पाई गई । एसपी ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत अपराध के मामलों में कमी आई है और थाने की जमीन के लिए दो जगहों को चिन्हित किया गया है तथा जल्द ही इसकी कवायद शुरू हो जाएगी। जबकि एक मामले में वहीं दूसरे मामले में लापरवाही पर उपनिरीक्षक एस आई निलंबित, संतोष सिंह पर प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए व आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही गई।

जालिम बीवी : भाइयों के साथ मिलकर सिपाही पति पर बरसाईं बेल्टें

बरेली ब्यूरो : बरेली के बिथरी थाने के एक सिपाही को जंक्शन से निकलते ही उसकी पत्नी ने अपने तीन भाइयों के साथ मिलकर बेल्टों से दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। यात्रियों ने सिपाही की जान बचाई। सिपाही की ओर से कोतवाली में महिला समेत चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सिपाही कामिल अहमद बिथरी चौनपुर थाने में तैनात हैं। वह तीन दिन की आकस्मिक छुट्टी लेकर शामली अपने घर गए थे। मंगलवार को

कामिल ड्यूटी पर लौटे तो जंक्शन के बाहर निकलते समय उनकी पत्नी यासमीन, उसके भाई मेहरबान, फुरकान और फुफेरे भाई कासिम ने कामिल को पकड़ लिया। कामिल के साथ इन लोगों ने अभद्रता की और बेल्टें बरसा दीं। बेल्टों के निशान सिपाही की पीठ पर छप गए। कामिल को पीटने के बाद आरोपी वर्दी उतरवाने और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। सिपाही की शिकायत पर कोतवाली में दिल्ली मुस्तफाबाद निवासी यासमीन, मेहरबान, फुरकान और मुजफ्फरनगर निवासी कासिम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी दफ्तर से फोन कराकर पता की सिपाही की लोकेशन सिपाही कामिल अहमद ने बताया कि उसकी पत्नी अपने भाइयों के साथ उसकी फर्जी शिकायत करने मंगलवार को पहले एसएसपी दफ्तर गई थी। वहां शिकायत के बाद कामिल के पास दफ्तर के बेसिक फोन से कॉल पहुंची। उनसे कहा गया कि एसएसपी दफ्तर आ जाएं। कामिल ने जवाब दिया कि वह अवकाश पर गए थे। नौचंदी ट्रेन से बरेली आ रहे हैं। ट्रेन 12 बजे तक जंक्शन आएगी, इसके बाद वह आ जाएंगे। सिपाही को शक है कि दफ्तर के लोगों से जानकारी लेकर हमलावर जंक्शन पहुंच गए। पूरी रात दूसरों से बात करने का आरोप कामिल अहमद ने बताया कि नवंबर 2022 में उनका यासमीन से निकाह हुआ था। पत्नी उनसे कम बात करती थी जबकि दिन–रात पता नहीं किससे मोबाइल पर बात करती थी। उन्होंने विरोध किया तो पत्नी मायके चली गई। इसके बाद से उसके मायके वाले उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने और वर्दी उतरवाने की धमकी दे रहे हैं।

अचानक ट्रेन का प्लेटफार्म बदलने से मची भगदड़ : ट्रेन से कटकर मजदूर की मौत

देवरिया ब्यूरो : देवरिया में ट्रेन आने से कुछ मिनट पहले प्लेटफार्म नंबर बदल देने से करीब 200 यात्रियों में भगदड़ मच गई। ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्री अपना सामान लेकर प्लेटफार्म नंबर एक से चार पर जाने लगे। इस कवायद में कई यात्री गिरकर चोटिल हो गए। वहीं, ट्रैक पार करके चलती ट्रेन

में चढ़ने की कोशिश में बिहार के एक यात्री की जान चली गई। बुधवार सुबह सात बजे मुंबई जाने वाली काशी एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर एक पर आने की सूचना थी। यात्री इसी प्लेटफार्म पर ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। अचानक एनाउंस होने लगा कि काशी एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर चार पर आ रही है। यह सुनते ही यात्रियों में भगदड़ मच गई। भागकर लोग प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंचे। इसी बीच कई लोग गिरकर चोटिल भी हो गए। वहीं, बिहार के गोपालगंज के विजयीपुर क्षेत्र के कुटिया छितौना गांव निवासी अमेरिका राजभर (48) और उनका भतीजा आनंद प्लेटफार्म नंबर एक से चार पर जाने लगे। फुट ओवरब्रिज पर भीड़ अधिक होने की वजह से दोनों सीधा ट्रैक पार करके प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंचे थे कि काशी एक्सप्रेस चल पड़ी। यह देख अमेरिका ट्रैक से ही ट्रेन पर चढ़ने लगे। तभी उनका पैर पावदान से फिसल गया और ट्रेन की चपेट में आ गए। उन्हें ऐसा करने से भतीजे आनंद ने रोका भी, लेकिन वे नहीं माने। ट्रेन जाने के बाद जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। तब तक अमेरिका की मौत हो चुकी थी। बताया गया कि इस स्टेशन पर आए दिन काशी एक्सप्रेस ट्रेन का प्लेटफार्म नंबर अचानक बदल दिया जाता है, जिससे यात्रियों को पेरशानी होती है। इस स्टेशन पर बिहार से अधिकतर लोग मुंबई के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए आते हैं।

जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एनसीओआरडी की जनपद स्तरीय समिति की हुई बैठक

जौनपुर सू.वि. : जिला मजिस्ट्रेट, श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय बैठक में मादक पदार्थो के अपराधों पर प्रवर्तन कार्यवाही एवं उसके सेवन के दुस्प्रभावाओं से आम जनमानस विशेषकर युवा पीढ़ी को जागरूक करने हेतु उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर जहॉ नारकोटिक्स पदार्थो की बिक्री की सम्भावना हो वहॉ पर जागरूकता कार्यक्रम के आयोजनों किया जाय। ड्राइवरों, छोटे दुकानदारों एवं रेस्टोरेन्टों को इस आशय का निर्देश दिया जाय कि वह किसी भी दशा में मादक पदार्थो का सेवन न करें तथा इस आशय का यथावश्यक स्थान पर बोर्ड भी लगाया जाय। भांग की अनुज्ञापित दुकानों पर सतत् निगरानी रखी जाय एवं मेडिकल स्टोर पर प्रतिबन्धित दवाओं की बिक्री न हो तथा उल्लघंन के मामलों मे कार्यवाही करने हेतु विचार विमर्श किया गया। अस्पतालों, विद्यालयों एवं रेलवेध बस स्टेशनों के आस–पास पान, गुटका व ठेले आदि की दुकानों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मादक पदार्थो की बिक्री पर सतर्क दृष्टि रखी जाय। गोमती घाट एवं अन्य घाट के आस–पास मादक पदार्थ की बिक्री की आकस्मिक जॉच कर आवश्यक कार्यवाही किया जाय। एन0डी0पी0एस0 से संवंधित वादों की प्रभावी पैरवी किया जाय नशामुक्ति केन्द्रों पर की जाने कार्यवाही का प्रचार–प्रसार किया जाय। इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्देशित किया गया कि जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत समस्त विद्यालयों/कालेजो, अस्पतालों, रेलवे/बस स्टेशनों, सार्वजनिक स्थानों एवं अन्य असामाजिक तथ्वों के जमावड़ा लगने की सम्भावना वाले स्थानों या जहॉ से प्रायः शिकायतें प्राप्त होती है विशेषकर युवाओं में मादक पदार्थो के उपभोग से होने वाली हानियों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुस्प्रभाव के संबंध में जानकारी देने के लिये

जन जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को जागरूक किया जाय। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि मेडिकल स्टोरो पर लगाये जाने वाले बोर्ड में स्पष्ट रूप में प्रचलित दवाओं के रासायनिकध्ब्राण्ड नामों के साथ चस्पा किया जाए जिससे युवा वर्ग उसे पढकर,समझकर जागरूक हो सके तथा ऐसे नशीली दवाओं से दूर हो सके। इसी के साथ जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा युवाओ को जागरूक करने हेतु ऐसी लिखित प्रपत्रध्सामग्री तैयार कर वितरित करने का निर्देश दिया गया जिसमें उन्हे क्या करना है और क्या नहीं करना है,का उल्लेख हो। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि छापेमारी में पकड़े गये अभियोगों से संबंधित अभियुक्तोंध्तस्करों के विरूद्व समुचित धाराओं में कड़ी कार्यवाही करते हुए न्यायालय में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करायी जाय जिससे मादक पदार्थो के सौदागरों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। उक्त बैठक में नगर मजिस्ट्रेट, जौनपुर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, वन विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस नारकोटिक्स सेल प्रभारी, औषधि निरीक्षक के अधिकारी एवं समस्त आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहें।

डीएम ने धोपाप धाम पर किया पूजन अर्चन : कमल सरोवर में पक्षियों को छुड़ाया दाना

सुल्तानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा आगामी 30 मई को पड़ने वाले गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों तथा वार्षिक स्नान पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े,के दृष्टिगत धोपाप धाम,विकास खण्ड लम्भुआ का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा,मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) बी.प्रसाद,अपर पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव,उप.जिलाधिकारी लम्भुआ वन्दना पाण्डेय सहित अन्य अधिकारियों के साथ किया गया।जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिये स्नान घाट,पार्किंग स्थल, वैरीकेटिंग, साफ–सफाई, विद्युत, मोबाइल टायलेट, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, स्थल की सजावट,जनरेटर,आपदा प्रबन्धन विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये गोताखोर,लाइफ जैकेट आदि के बारे में आवश्यक बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को ससमय व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन को एक निश्चित स्थान पर पार्क करने हेतु स्थानों का निरीक्षण किया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित पुलिस अधिकारी को पार्किंग हेतु रूट प्लान बनाकर प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी लम्भुआ सदानन्द चौधरी को निर्देशित किया गया कि धोपाप धाम के स्थलों की साफ–सफाई,स्नान स्थल वैरीकेटिंग लगाने व समतलीकरण कराना सुनिश्चित करायें। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी अभिषेक शुक्ला को घाट की मरम्मत कराने,मोबाइल टायलेट व घाट के आस–पास सजावटी पेन्टिंग कराने के निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक द्वारा सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने–अपने विभाग से सम्बन्धित समस्त दायित्वों व तैयारियों को ससमय कराना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी द्वारा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत हरिओम नारायण चन्द्र व मुख्य अभियन्ता जिला पंचायत डॉ राकेश यादव को धोपाप धाम पर विद्युत की व्यवस्था,सजावटी लाइटें,जनरेटर आदि की व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित पुलिस क्षेत्राधिकारी व ट्रैफिक पुलिस को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसलिये पार्किंग स्थल का हर तरफ से रूटचार्ट बना लें तथा इसका कड़ाई से अनुपालन किया जाय। तत्पश्चात जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा धोपाप धाम स्थित मन्दिर का पूजन–अर्चन किया गया।तत्पश्चात जिलाधिकारी,पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड लम्भुआ के धोपाप क्षेत्र दुबौली स्थित कमल सरोवर का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी,पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कमल सरोवर में पक्षियों को दाना चुगाया गया। जिलाधिकारी द्वारा कमल सरोवर का और सौन्दर्यीकरण कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित प्रेरणा कैण्टीन का अवलोकन कर कैण्टीन के मेनू चार्ट के अनुसार स्वयं भुगतान कर नाश्ता किया गया। जिलाधिकारी ने समूह की महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उक्त कैण्टीन का विस्तार कर इसे और आगे बढ़ायें।

नर्सिंग पंजीयन से पहले क्लीनिकल परीक्षा : गुणवत्ता सुधार के लिए व्यवस्था में बदलाव की तैयारी

लखनऊ ब्यूरो : नर्सिंग की गुणवत्ता बढ़ाने की रणनीति के तहत अब इसमें पंजीयन से पहले विद्यार्थियों को क्लीनिकल परीक्षा देनी होगी। जो इसमें पास होंगे वे ही राज्य में नर्सेज भर्ती के लिए योग्य माने जाएंगे। इस नई तैयारी को लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नेशनल नर्सिंग काउंसिल में प्रस्ताव भेजा है। प्रदेश में हर साल 13,120 विद्यार्थी बीएससी नर्सिंग और 2520 पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की परीक्षा पास करते हैं। इनका उप्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल में पंजीयन होता है। इसके अलावा करीब ढाई से तीन हजार अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यूपी में पंजीयन कराते हैं। इनमें ज्यादातर राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक के निजी कॉलेजों से परीक्षा पास करने वाले होते हैं। पंजीयन के बाद ये सभी यहां के चिकित्सालयों एवं मेडिकल कॉलेजों में निकलने वाली नर्सिंग भर्ती में आवेदन के योग्य हो जाते हैं। कुछ दिन पहले के सर्वे में यह बात सामने आई थी कि बीएससी नर्सिंग की मुख्य परीक्षा में 60 से 70 फीसदी अंक हासिल करने वाले विद्यार्थी क्लीनिकल जानकारी में काफी कमजोर हैं। इससे अस्पतालों में चिकित्सकीय गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसे में गुणवत्ता सुधार के लिए तय हुआ है कि नर्सिंग की डिग्री लेने वालों की क्लीनिकल परीक्षा कराई जाए। प्रदेश के अभ्यर्थियों को ज्यादा मौका गुणवत्ता में सुधार के लिए सभी कॉलेजों में सीसीटीवी की निगरानी में नर्सिंग की सेमेस्टर परीक्षाएं कराई जा रही हैं। कॉलेजों में क्लीनिकल प्रशिक्षण का शिड्यूल भी अनिवार्य कर दिया गया

है। इसके बाद अब विद्यार्थियों को एक और परीक्षा से गुजारने की तैयारी है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि क्लीनिकल परीक्षा से विद्यार्थी क्लीनिकल कार्य पर ज्यादा फोकस करेंगे। वे नर्सिंग की मूल बातों को ध्यान से सीखेंगे। इसके अलावा पड़ोसी राज्य के कई संस्थानों से बिना पर्याप्त पढ़ाई व क्लीनिकल कार्य सीखे डिग्री लेने वाले यूपी में अपना पंजीयन नहीं करा पाएंगे। यहां नौकरियों में वही आवेदन करेंगे, जिन्हें क्लीनिकल कार्यों की पुख्ता जानकारी होगी। बड़े संस्थानों में होगी परीक्षा प्रस्ताव के मुताबिक पंजीयन आवेदन करने वालों का बैच बनेगा। इन्हें केजीएमयू, एसजीपीजीआई, लोहिया संस्थान सहित ज्यादा मरीज संख्या वाले मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों में क्लीनिकल परीक्षा देनी होगी।

अयोध्या में बंद रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय हादसा : एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से शिक्षक की मौत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या में एक बुजुर्ग शिक्षक बंद रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए, इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शिक्षक प्राइवेट कोचिंग में साइकिल से पढ़ाने जा रहे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर कोतवाली क्षेत्र के देवकाली धनीराम का पुरवा निवासी 60 वर्षीय कृष्ण कुमार सिंह दर्शन नगर क्षेत्र स्थित एक प्राइवेट कोचिंग में पढ़ा रहे थे। गुरुवार को सुबह 7:30 बजे अपनी साइकिल से पढ़ाने के लिए कोचिंग जा रहे थे। फैजाबाद अंबेडकर नगर मुख्य मार्ग स्थित दर्शननगर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 107 ए पर पहुंचे तो क्रासिंग बंद मिली थी, इस दौरान उन्होंने कुछ देर इंतजार करने के बाद अन्य लोगों की तरह साइकिल को लेकर बंद क्रॉसिंग पार करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान सुबह करीब 7:45 बजे अयोध्या कैण्ट से बनारस की तरफ जा रही 12226 डाउन कैफियात एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी पर दर्शन नगर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर रामकुमार यादव ने मेमो जीआरपी को भेजवाया तो उपनिरीक्षक शबाब हैदर की टीम ने मृतक के पुत्र अजीत कुमार सिंह की मौजूदगी में शव का पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। थाना प्रभारी जीआरपी एसपी शुक्ला का कहना है कि अग्रिम विधिक कार्रवाई कराई जा रही है।

चोलापुर में खनन माफियाओं का बोलबाला : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑडियो और फोटो

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी में दानगंज चोलापुर थाना क्षेत्र में अवैध खनन के मामले के शिकायत आए दिन सामने आते रहे हैं। चोलापुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर खनन में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। गुरुवार को चोलापुर में खनन से जुड़ा एक मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें खनन करने वाले आपस में बातचीत कर रहे हैं। वहीं एक मामले में विवाद के बाद चोलापुर पुलिस ने कुछ ग्रामीणों पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पर एक पक्षी कार्रवाई का आरोप भी लगा है। चोलापुर थाना क्षेत्र के गोसाईपुर मोहाव में बुधवार की रात्रि जेसीबी ले जाकर खुदाई करने के मामले में ग्रामीणों ने विरोध किया रात्रि में खनन करने जा रहे जेसीबी को लोगों ने रोक दिया। जिसको लेकर खनन करने वाले लोग और ग्रामीणों में विवाद हुआ। ईट पत्थर चलें वाहन कार के क्षतिग्रस्त होने पर एक पक्ष ने चोलापुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। चोलापुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि गोसाईपुर मोहाव में रास्ते को लेकर विवाद हुआ था। जिस पर मुकदमा दर्ज किया गया है स्विफ्ट डिजायर का शीशा तोड़ी गई है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस खनन करने वाले लोगों को

सह दे रही है। एक पक्षी कार्रवाई की गई है। थाने में लाकर लोगों की पिटाई की गई है। उधर चोलापुर थाना क्षेत्र के अजगरा चौकी अंतर्गत रजला और गोसाईपुर चौकी अंतर्गत प्रेम नगर नेहिया में खनन के मामले में लोगों ने 112 पर शिकायत दर्ज कराई है। खनन को लेकर एक ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। जिसमें पुलिस की मिलीभगतकी बात भी सामने आ रही है हालांकि ऑडियो पुराना बताया जा रहा है।

आजम खां की सदस्यता बहाल होने में ये है बड़ी अड़चन : देश का यह पहला मामला

लखनऊ ब्यूरो : समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक आजम खां के नफरती भाषण मामले में बरी होने के बाद उनकी खत्म की गई सदस्यता का मामला बड़े सवाल के रूप में सामने आ गया है। यह सवाल संवैधानिक व न्यायिक दोनों ही नजरिए से महत्वपूर्ण है। सवाल ये है कि आजम की सदस्यता निरस्त करने से रिक्त घोषित सीट पर जब नया विधायक निर्वाचित होकर शपथ ले चुका है, तो आजम की रद हुई सदस्यता बहाल कैसे हो? आगे अन्य मामलों में ऐसी स्थिति आए, तब क्या होगा? विधि विशेषज्ञों व कानून के जानकारों का कहना है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को नए सिरे से स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। दरअसल, समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक आजम खां को नफरती भाषण देने के मामले रामपुर की एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने बरी कर दिया है। इसी मामले में एमपी–एमएलए कोर्ट ने 27 अक्तूबर 2022 को आजम खां को तीन वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द हो गई थी। सदस्यता रद्द होने के बाद रामपुर सीट पर उप चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा के आकाश सक्सेना विधायक निर्वाचित हो गए। आकाश शपथ भी ले चुके हैं। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि जिस मामले में दोषी होने पर सदस्यता रद हो सकती है, उसमें बरी होने पर बहाल कैसे हो? अमर उजाला ने इस संबंध में कई विधि विशेषज्ञों व कानून के जानकारों से बात की। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि देश में इस तरह का यह पहला मामला है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय को अब स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। उनका मानना है कि एमपी–एमएलए कोर्ट से सजा होने के बाद अपील तक सदस्यता रद्द न होने का प्रावधान लागू होना चाहिए। सदस्यता बहाल नहीं हो सकती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट को दिशानिर्देश देने चाहिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंगनाथ पांडेय का कहना है कि आजम खां को एमपी–एमएलए कोर्ट से सजा होने के बाद उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय ने सजा पर स्थगन आदेश नहीं दिया था। नतीजन नियमानुसार रामपुर में उप चुनाव कराकर नए विधायक का निर्वाचन हुआ। उनका कहना है कि चूंकि अब वहां चुनाव हो चुका है इसलिए आजम खां की सदस्यता बहाल नहीं हो सकती है। लेकिन अब सेशन कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया है तो साफ है कि वह दोषी नहीं थे। ऐसे मामलों में अब सर्वोच्च न्यायालय को स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करने चाहिए कि यदि संबंधित विधायक या सांसद अपील में बरी हो जाते हैं तो उनकी सदस्यता का क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी करे, आजम की सदस्यता बहाल हो सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप नारायण माथुर का मानना है कि जिस मामले में सजा होने पर आजम खां की सदस्यता रद्द हुई थी उस मामले में बरी होने पर अब सदस्यता बहाल होनी चाहिए। उनका कहना है कि लेकिन चूंकि उस सीट पर उप चुनाव हो चुका है, उप चुनाव में एक सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं।

ऐसे में उनकी सदस्यता तो रद्द नहीं हो सकती है। लेकिन यह देश में इस तरह का पहला मामला है, इसलिए अब वक्त आ गया है जब सर्वोच्च न्यायालय को ऐसे मामलों में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करते हुए रास्ता निकालना चाहिए। उनका कहना है कि जिस प्रकार राज्यपाल या विधानसभा अध्यक्ष की ओर से विधायक की सदस्यता रद्द करने पर संबंधित विधायक को अपील के लिए चार महीने का समय देने का प्रावधान है उसी तरह आपराधिक मामले में सजा होने पर भी अपील स्वीकार होने तक सदस्यता रद्द नहीं करने का प्रावधान लागू करना चाहिए। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन होना चाहिए उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत ही आजम को दो वर्ष की सजा होते ही उनकी सदस्यता रद्द हुई थी। लेकिन यह पहला मामला है जब अपील में कोई विधायक बरी हुए हैं। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय को ही अपील स्वीकार होने तक सदस्यता रद्द नहीं करने का प्रावधान लागू करना चाहिए। उनका कहना है कि भविष्य में इस तरह के मामलों के लिए अब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन होना चाहिए। इसमें संबंधित विधायक को अपील के लिए एक निर्धारित समय अवधि मिले, अपील के निस्तारण की भी समयसीमा तय होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ही निर्णय लें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से ही किसी भी विधायक या सांसद को दो वर्ष या अधिक की सजा होने पर उनकी सदस्यता रद्द होती है। इसमें विधानसभा या लोकसभा की भूमिका केवल सीट को रिक्त घोषित कर निर्वाचन आयोग को सूचना भेजने तक की है। लिहाजा संबंधित विधायक के अपीलेंट कोर्ट से बरी होने पर क्या होना चाहिए इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट को ही निर्णय लेना चाहिए। यह है मामला नफरती भाषण देने के आरोप में सपा के पूर्व विधायक आजम खां की सदस्यता 27 अक्तूबर 2022 को रद्द हुई। आजम खां की सदस्यता रद्द होने से खाली हुई सीट पर 5 दिसंबर 2022 को उप चुनाव हुआ। 8 दिसंबर को हुई मतगणना में रामपुर सीट पर भाजपा के आकाश सक्सेना विधायक निर्वाचित हुए। 24 मई को एमपी–एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खां को नफरती भाषण देने के मामले में बरी कर दिया। एक अन्य मामले में भी सजा, इसलिए फिलहाल सदस्यता बहाल नहीं बहरहाल यह बता दें कि आजम को छजलैट प्रकरण में भी मुरादाबाद की कोर्ट से दो वर्ष की सजा होने के कारण फिलहाल उनकी सदस्यता बहाल होने पर संदेह है। लेकिन भविष्य में यदि फिर किसी विधायक के साथ ऐसा मामला होता है तो उन्हें राहत कैसे मिल सकती है इसलिए यह सवाल महत्वपूर्ण हैं।

नर कंकाल में तब्दील मिली युवक की सडी गली लाश टैक्टर चालक की निकली मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) बीकापुर–अयोध्या। पाँचवे दिन नर कंकाल में तब्दील हैदरगंज थाना क्षेत्र में मिली युवक की सडी गली लाश तारुन थाना क्षेत्र के पेडरा गांव निवासी टैक्टर चालक की निकली। जिसकी गांव के मनीराम निषाद के 22 बर्षीय बेटे महेश निषाद नामक युवक के रूप में हुई शिनाख्त।जो बीते 20 मई शनिवार की रात करीब 9 बजे रात को खाना खाकर मोबाइल से बात करते हुये अपने घर से किसी के घर टैक्टर ट्राली से मिट्टी गिराने की बात कहकर निकला था। ऐसा मृतक की माँ व भाभी का कहना है।जो चार दिनों तक घर वापस नही लौटा और उसकी पाँचवे दिन सड़ी गली नर कंकाल में तब्दील लाश मिली तो परिवार में हड़कंप मच गया। मृतक के गांव के कुछ लोगो पर नाच रही महेश के मौत के रहस्य सुई। मृतक के घर से निकलने के बाद साइकिल व मोबाइल बदलना किसी रहस्य से कम नही यह बात मृतक परिवार को क्यों नही गयी बताई। मृतक की माँ मायावती व भाभी सोनी का कहना है कि दिल्ली में रह रहे गांव के मानसिंह नामक युवक ने फोनकर महेश के अपने पास किसी लड़की के साथ होने का नाटक आखिरी समय तक क्यो करता रहा। यह रहस्य एक पहेली बना है। आखिर वह लड़की कौन थी जो महेश के मौत की वजह बनी और महेश किसके साथ पहुँचा लाश मिलने के घटना स्थल जो अभी एक पहेली बनी हुई हैं। महेश की मौत का रहस्य कुछ भी हो लेकिन मामला अभी आशनाई से जोड़कर देखा जा रहा है।मुकामी पुलिस को हैं अभी महेश के पोस्मार्टम रिपोर्ट का इंतजार।

डा० जन्मेजय सिंह ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होकर किया जिले का नाम रोशन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) रुदौली–अयोध्या। अयोध्या जनपद के रुदौली विधानसभा के ग्राम लोधौरा, अमराईगांव के रहने वाले डा० जन्मेजय सिंह पुत्र श्री हरगोबिन्द सिंह ने आज क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन कर दिया। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती में मगध विश्वविद्यालय, बोध गया में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित हो क्षेत्र, जिले व प्रदेश का नाम रोशन करते हुए लेखक "सोहनलाल द्विवेदी" जी की कविता :– "लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।" को सच साबित कर दिया। आपने ग्रामीण क्षेत्र में रहकर प्राथमिक शिक्षा सरकारी विद्यालय से प्राप्त करने के उपरान्त स्नातक इलाहाबाद विश्वविद्यालय और परास्नातक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय व पीएचडी की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से आज इनका चयन बिहार लोक सेवा आयोग के मगध विश्वविद्यालय , बोध गया में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हो गया। मीडिया से बात करते हुए इन्होंने कहा इसका श्रेय परिवार, माता–पिता व गुरुजनों को जाता है साथ ही क्षेत्र के आम जनमानस से अपील भी किया की आप अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए हमेशा आगे बढ़ाएं क्योंकि शिक्षा ही विकास और समृद्धि की जननी है। हिन्दू राष्ट्र शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मृत्युंजय सिंह जी ने अपने भतीजे श्री सिंह को इस उपलब्धि को हासिल करने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्र और देश के युवा पीढ़ी को संवारने में अपनी पूर्ण ईमानदारी और भागीदारी सुनिश्चित करने की भी अपील की।

ग्राम पंचायतों में सोशल ऑडिट के दौरान ब्लॉक के अधिकारियों द्वारा दिखाई जा रही उदासीनता

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) बीकापुर–अयोध्या। बीकापुर के ग्राम पंचायतों में किए गए विकास कार्यो के भौतिक सत्यापन सोशल ऑडिट के दौरान अधिकारियों की उदासीनता दिखाई पड़ रही है। विकास खंड के ग्राम पंचायत असकरनपुर में सोशल ऑडिट ग्राम सभा की बैठक बुधवार को पंचायत भवन पर आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से ऑडिटर साधना सिंह और सोशल ऑडिट के सदस्यों ने मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत में कराए गए विभिन्न कार्यों का सत्यापन किया गया। मनरेगा श्रमिकों में से एक महिला श्रमिक को बैठक का अध्यक्ष बनाया गया।बैठक में उपस्थित मनरेगा श्रमिकों से उनके द्वारा किए गए कार्य की मजदूरी के संबंध में जानकारी ली गई। बैठक में ग्राम प्रधान अजय तिवारी के अलावा रोजगार सेवक अजीत कुमार यादव, महिला मेट यशोदा उपस्थित रहे। तकनीकी सहायक और ग्राम पंचायत अधिकारी सोशल ऑडिट कार्यक्रम एवं बैठक में मौजूद नहीं रहे। ग्राम प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी अवकाश पर होने के चलते बैठक में नहीं पहुंचे। इसी प्रकार बीकापुर विकासखंड क्षेत्र के बछरामपुर ग्राम पंचायत मेंघ्ष 22 मई से शुरू किया गया तीन दिवसीय सोशल ऑडिट बुधवार को संपन्न हुआ। लेकिन सोशल ऑडिट के दौरान बुधवार को तकनीकी सहायक काशीराम और पंचायत सचिव मौजूद नहीं रहे। रोजगार सेवक रूपचंद द्वारा पंचायत भवन में बैठकर भौतिक सत्यापन सोशल ऑडिट कराया गया। बुधवार को सोशल ऑडिट एवं बैठक के दौरान बीआरपी सुरेश यादव और उनकी टीम के त्रिभुवन प्रसाद, अरुण प्रताप, चुन्नीलाल तथा मालती सोनी द्वारा पंचायत भवन में बैठकर अभिलेखों का सत्यापन और सोशल आडिट किया गया। बीआरपी सुरेश यादव ने बताया कि 3 दिन से किया जा रहा सोशल ऑडिट का कार्य बुधवार को पूरा हुआ। सब ठीक–ठाक मिला है। रोजगार सेवक द्वारा सोशल ऑडिट कराया गया। जिले से पत्र जारी होने के बावजूद ब्लॉक के अधिकारियों द्वारा रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

राम भक्तों के लिए प्रेणना दायक होगी डॉ मुरलीधर सिंह की प्रकाशित पुस्तक

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या। मण्डल के लोकप्रिय उप सूचना निदेशक डॉ मुरलीधर सिंह शास्त्री प्रभारी मुख्यमंत्री मीडिया सेंटर लोक भवन उत्तरप्रदेश लखनऊ के द्वारा श्री अयोध्या धाम ,ओरछा धाम काशी धाम की यथार्थ गाथा की प्रकाशित लेखक टिपणी कार की पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि प्रेस क्लब अयोध्या के अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी के द्वारा उप निदेशक के कार्यालय में किया गया सभी ने तालियां बजा कर स्वागत किया इस पुस्तक में लेखक ने रामन्दिर आंदोलन के घटनाक्रमों व अयोध्या धाम की प्राचीन एवं आधुनिक स्वरूप का बाखूबी वर्णन किया है तथा साथ ही श्रीराम जन्मभूमि संघर्ष और आंदोलन में हुवे सामाजिक योगदान तथा जिन महापुरुषों ने अपनी भूमिका निभाई हैं उन सभी घटनाक्रम पर लेखक डॉ मुरलीधर सिंह शास्त्री ने अयोध्या धाम का प्राचीन एवं आधुनिक स्वरुप प्रस्तुत किया है विमोचन अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार जगदीश प्रसाद गुप्ता व के के मिश्र ब्यूरो चीफ दैनिक स्वतंत्र चेतना व सहायक सूचनाधिकारी मयंक तिवारी तथा सूचना विभाग के बड़े बाबू अवधेश जयसवाल आदि उपस्थित रहे सभी ने डॉ मुरलीधर सिंह शास्त्री जी के द्वारा प्रकाशित पुस्तक की भूरी भूरी प्रसंसा कर जमकर तारीफ की प्रेस क्लब अयोध्या के अध्यक्ष महेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि यह पुस्तक देश दुनियां के राम भक्तों के लिए प्रेणना दायक होगी पुस्तक के सफल प्रकाशन के लिए सम्पादकीय परिवार को सुभकामनाएँ देकर बधाई दी है।

व्यापारी नेता सुशील जायसवाल चौकी में बैठे धरने पर चौकी के सिपाही पर लगाया रिश्वत मांगने का आरोप

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) व्यापारी नेता से रिश्वत मांगने के मामले में रिकाबगंज चौकी में तैनात सेकंड अफसर को भारी पड़ गया।व्यापारी नेता सुशील जायसवाल ने रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए चौकी पर ही धरने पर बैठ गए।मामले की सूचना मिलते ही तमाम व्यापारी भी रिकाबगंज चौकी पहुंच गए और धरना दे रहे व्यापारी नेता सुशील जायसवाल के समर्थन में धरने में शामिल हो गए।दरअसल न्यायालय में चल रहे एक मामले में व्यापारी नेता सुशील जायसवाल के खिलाफ जमानती वारंट जारी हुआ था, जिसकी तामीला को लेकर व्यापारी नेता सुशील जायसवाल रिकाबगंज चौकी पहुंचे थे।जहां पर रिकाबगंज चौकी में तैनात सेकंड अफसर व एक सिपाही द्वारा खुलेआम रिश्वत की मांग की गई।जिसको लेकर व्यापारी नेता सुशील जायसवाल भड़क उठे।बता दे कि रिकाबगंज चौकी के बगल ही सीओ सिटी कार्यालय और इसी चौकी क्षेत्र में पुलिस कप्तान मुनिराज जी का ऑफिस भी है, बावजूद इसके चौकी में तैनात व सिपाही का मनोबल इस कदर बढ़ गया है कि व्यापारी नेता से ही रिश्वत की मांग कर बैठे। कुल मिलाकर रिकाबगंज चौकी में व्यापारी नेताओं द्वारा जमकर नारेबाजी की गई और रिश्वत मांगने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

बाबा बाजार थाना क्षेत्र के मीरमऊ गांव में ससुराल आकर गाली गलौज करने पर दो का चालान

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या बाबा बाजार थाना क्षेत्र के मीरमऊ गांव में ससुराल आकर गाली गलौज करने पर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।थाना प्रभारी बाबा बाजार संतोष कुमार सिंह ने बताया कि रूदौली कोतवाली के ग्राम टीकर के फुरकान पुत्र नोमान की शादी ग्राम मीरमऊ से हुई थी।पति पत्नी से विवाद होने पर दोनों के बीच पारिवारिक न्यायालय में मुकदमा चल रहा था।बुधवार को फुरकान अपने साथ राशिद पुत्र शमीउल्ला को लेकर मीरमऊ गांव में अपनी ससुराल पहुंच कर गाली गलौज करने लगे।सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने फुरकान तथा राशिद को थाने पकड़ लायी।थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि दोनों को शांति भंग की धारा में चालान कर दिया गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि शिविर में दिखाई दे रही है उदासीनता

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) बीकापुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से अभी तक वंचित किसानों को योजना का लाभ दिलाने के लिए ग्राम पंचायतों में आयोजित किए जा रहे शिविर के आयोजन में भी उदासीनता देखने को मिल रही है। बुधवार को विकास खंड क्षेत्र के कटारी पंचायत भवन पर आयोजित किए गए शिविर के संबंध में सूचना एवं प्रचार प्रसार ना होने से तमाम ग्रामीणों को जानकारी ही नहीं हो पाई। शिविर में सिर्फ कृषि विभाग से कन्हैयालाल तथा पंचायत सहायक उपस्थित रहे, राजस्व लेखपाल और ग्राम विकास मौजूद नहीं रहे। सम्मान निधि से वंचित कई किसानों द्वारा शिविर में पहुंचकर समस्या और शिकायत दर्ज दर्ज कराई गई गांव निवासी समाजसेवी सुशील पांडे ने बताया कि जानकारी ना होने से कई किसान शिविर में नहीं पहुंच सके। सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाएगी। सर्वर डाउन होने से भी समस्या पैदा हुई।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) हाइवे स्थित फोरलेन सरयू पुल पर किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों युवकों को उपचार के लिए श्रीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बताया गया कि हादसे के बाद बाइक सवार दोनों युवक घायल अवस्था में पड़े थे। जानकारी पर घायलोनंद किशोर पिता मुन्नालाल पता आगरा अर्जुन नगर और सौरभ पांडे पिता राजेंद्र प्रसाद पांडे पता बेलघाट बाजार जनपद बस्ती को राजकीय श्री राम चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

बाइक सवार हादसे का शिकार : सड़क किनारे गड्ढे में मिला शव

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) कुमारगंज क्षेत्र के बहादुरगंज रोड पर बहादुरगंज चौराहे के पास सड़क किनारे गड्ढे में मिले शव की शिनाख्त मौके से मिली बाइक के पंजीकरण के आधार पर इसी थाना क्षेत्र के गाँव मसेढा स्थित लाला का पुरवा निवासी 50 वर्षीय बुद्धिराम यादव पुत्र श्री जंगली यादव के रूप में हुई है। दरअसल सड़क किनारे एक स्पेलेन्डर बाइक यूपी 42 एआर 4682 और गड्ढे स्थित पानी में अधेड़ का शव मिला था। शिनाख्त और छानबीन के बाद पता चला कि बुद्धिराम यादव मंगलवार की शाम अपनी पुत्री प्रीती निवासी ग्राम मिश्रा का पुरवा थाना खण्डासा के घर निमंत्रण में गया था और रात में अपनी बाइक से वापस घर लौट रहा था। आशंका है कि शराब के नशे में होने के चलते बहदुरगंज चौराहे के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क किनारे स्थित गड्ढे में जा गिरा तथा गड्ढे में भरे पानी में डूबने के चलते दम घुटने से बुद्धिराम की मौत हो गया। मामले की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है। थाना प्रभारी कुमारगंज ओमप्रकाश राय ने बताय कि शिनाख्त के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया गया है।

पेड़ से गिरकर युवक की हुई मौत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) रौनाही थाना क्षेत्र के करेरु गाँव निवासी सुनील तिवारी उम्र करीब 42 वर्ष की पेड़ से गिरकर मौत हो गई। ज्ञातव्य हो कि सुनील अपने खेत की फसल बचाने के लिऐ बबूल के पेड़ की छंटाई कर रहे थे। तभी अचानक वो पेड़ से गिर पड़े। परिजन उनको पड़ोस गांव के डॉक्टर के पास लेकर गये। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की अंत्येष्टि आज उनके ही बाग में कर दी गयी है।ज्ञातव्य हो कि सुनील अपने पीछे पत्नी तथा एक बेटे व बेटी को छोड़ गये हैं। अंत्येष्टि स्थल पर करेरू प्रधान प्रतिनिधि गिरिजेश तिवारी, जमुना प्रसाद तिवारी, पूर्व प्रधान रामकुमार तिवारी,बंटी तिवारी, केडी चौबे, नानमून तिवारी, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कृषि विभाग के कर्मचारियों का रवैया किसानों के प्रति गैर जिम्मेदार

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) तहसील क्षेत्र के अरथर ग्राम सचिवालय पर एक दर्जन सम्मान निधि से वंचित गांव की जनता ग्राम सचिवालय पर पहुंचने पर समय लगभग 12:00 बजे सम्मान निधि का संशोधन करने वाले कर्मचारी सचिवालय पर नहीं पहुंचे कई लोग इंतजार करने के बाद वापस चले गए सचिवालय पर मौजूद सम्मान निधि का संशोधन कराने वाले गिरदावर, हिरदाराम, राजेंदर ,हरिराम, शिव शंकर सिंह ,रामकला, संतोष सिंह सहित कई लोगों ने बताया कि घंटों से इंतजार कर रहे हैं कोई भी कर्मचारी दिखाई नहीं पड़ा। इस बात की शिकायत जिला कृषि अधिकारी से मौके पर मौजूद किसान सुरेश सिंह ने की जिस पर जिला कृषि अधिकारी ने जांच करवा कर कार्रवाई की बात कही है।

सम्पादक मंडल

श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।